



सत्यमेव जयते

**कर्मचारी राज्य बीमा निगम**  
**श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार**  
**क्षेत्रीय कार्यालय पटना**



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

**हिंदी पखवाड़ा**  
**(01 से 14 सितम्बर 2021)**

**राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में  
लाना देश की एकता और उन्नति के  
लिए आवश्यक है।**

**- महात्मा गाँधी**



सत्यमेव जयते

# कर्मचारी राज्य बीमा निगम

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता  
अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है ।  
हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से  
समाहित किया है ।

- नरेंद्र मोदी



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

भारतीय सभ्यता की अविरल धारा  
प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही  
जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है ।

- अमित शाह



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक  
भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव  
प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता  
है।

- मदन मोहन मालवीय



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी राष्ट्रियता के मूल को  
सींचती है और उसे दृढ़ करती  
है।

- पुरुषोत्तम दास टंडन



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी हमारे राष्ट्र की  
अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत  
है।

- सुमित्रानंदन पंत



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी राष्ट्रीय एकता  
का प्रतिक है ।

- डॉ. सम्पूर्णानन्द



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

भारतीय भाषाएँ नदियां  
हैं और हिंदी महानदी ।

- रविंद्रनाथ ठाकुर





सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी जैसी सरल भाषा  
दूसरी नहीं है ।

- मौलाना हसरत मोहानी



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी द्वारा सारे भारत को  
एक सत्र में पिरोया जा  
सकता है।

- स्वामी दयानंद



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई  
एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही  
हो सकती है ।

- जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

वही भाषा जीवित और जागृत रह सकती है जो जनता का ठीक - ठाक प्रतिनिधित्व कर सके और हिंदी इसमें समर्थ है ।

- पीर मुहम्मद यूनिस



सत्यमेव जयते

**कर्मचारी राज्य बीमा निगम**  
**श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार**  
**क्षेत्रीय कार्यालय पटना**



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

**हिंदी पखवाड़ा**  
**(01 से 14 सितम्बर 2021)**

**देवनागरी ध्वनिशास्त्र की**  
**दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक**  
**लिपि है ।**

**- रविशंकर शुक्ल**



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है  
जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी  
शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

- डॉ राजेंद्र प्रसाद



सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम  
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार  
क्षेत्रीय कार्यालय पटना



क.रा.बी.नि.  
E.S.I.C

हिंदी पखवाड़ा  
(01 से 14 सितम्बर 2021)

आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते हैं,  
उसी तरह लिखा भी कीजिये। भाषा बनावटी  
नहीं होनी चाहिए।

- महावीर प्रसाद द्विवेदी